आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 12 अंक : 18 लखनऊ, शनिवार 14 अगस्त से 20 अगस्त, 2021 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

15 August पर आतंकी अलर्ट के बाद क्मसीप में बढ़ाई गई सुरक्षा, छावनी बना ऐतिहासिक लाल किला

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली पुलिस को बड़े आतंकी हमले का अलर्ट मिला है। जिसके बाद से १५ अगस्त के समारोह स्थल दिल्ली के लाल किले पर चौकसी और बढ़ा दी गई है। लाल किले पर होने वाले कार्यक्रम के लिए दिल्ली पुलिस के उच्च अधिकारियों ने किले के अंदर एक उच्च स्तरीय बैठक की है और पूरे किले की सुरक्षा का निरीक्षण किया है। राजधानी को सुरक्षा के मध्यनजर छावनी में तब्दील कर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, खुफिया एजेंसियों से अलर्ट मिला है कि खालिस्तान मूवमेंट से जुड़े कई संदिग्ध १५ अगस्त के कार्यक्रम में खलल डाल सकते हैं। ये संदिग्ध आतंकी दिल्ली में किसी बड़ी साजिश को अंजाम देने की फिराक में है। इसी के साथ ये भी सूचना है कि ऐसे कुछ संदिग्ध आतंकी संगठन सरकारी इमारतों को भी निशाना बना सकते

हैं। इसी के साथ राजधानी दिल्ली में आतंकियों द्वारा ड्रोन हमले का भी खतरा बताया गया है। वैसे भी जम्मू–कश्मीर और पंजाब में आए दिन पाकिस्तान की ओर से ड्रोनों की घुसपैठ जारी है। स्वतंत्रता दिवस को आतंकी हमले की आशंका को देखते हुए दिल्ली पुलिस अलर्ट मोड पर है। दिल्ली में सुरक्षा के लिहाज से पहली बार लाल किले के सामने बड़े–बड़े कंटेनर से एक बड़ी दीवार खड़ी कर दी गई है। साथ ही सभी बड़ी सरकारी इमारतों पर सुरक्षा व्यवस्था चाकचौबंद कर दी गई है। इसी के साथ सरकारी इमारतों के अलावा सभी बड़े धार्मिक स्थलों पर भी सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतेजाम किए गए हैं। पुलिस ने ड्रोन हमले से अलर्ट को देखते हुए लाल किले पर एंटी ड्रोन सिस्टम इंस्टाल किए हैं। जबकि दिल्ली में १६ अगस्त तक ड्रोन उड़ाने पर पूरी तरह से पाबंदी पहले ही लगाई जा चुकी है।

यूपी के इन चार शहरों में भी कमिश्नरी प्रणाली लागू करने की हो रही तैयारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत चार शहरों में पुलिस कमिश्नरी सिस्टम लागू होने के बाद सरकार अब गाजियाबाद, प्रयागराज, आगरा और मेरठ में भी इस प्रणाली को लागू करने की तैयारी कर रही है। इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन जिलों में कमिश्नरी प्रणाली लागू करने के लिए समीक्षा करने के निर्देश दे दिए हैं। बता दें कि इससे पहले , नोएडा, वाराणसी और कानपुर में यह प्रणाली लागू हो चुकी है। बता दें कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा १० लाख से अधिक आबादी वाले शहरों

में इस सिस्टम को लागू करने के लिए समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी कड़ी में गाजियाबाद, प्रयागराज, आगरा और मेरठ में इस प्रणाली को लागू करने को लेकर विचार चल रहा है। ज्ञात हो कि यूपी में सबसे पहले लखनऊ और नोएडा में कमिश्नरी प्रणाली को लागू किया गया। इसके अच्छे परिमाम सामने आने के बाद वाराणसी और कानपुर में भी सरकार ने इस प्रणाली लागू किया। अब धीरे–धीरे अन्य शहरों की भी समीक्षा का काम आगे बढ़ाया जा रहा है।

६० घंटे, ८ अभ्यर्थी, १०० पुलिस कर्मी, पानी की टंकी पर

लखनऊ। बेसिक शिक्षा विभाग में ६६ हजार शिक्षक भर्ती में २२ हजार पदों को जोड़ते हुए नियुक्ति की मांग पर अड़े अभ्यर्थियों ने पानी की टंकी पर चढ़कर बैठने का निर्णय कर लिया है। अभ्यर्थियों ने विभाग और सरकार को जहां चेतावनी दी है वहीं दूसरी ओर से इनकी निगरानी के लिए पीएसी, व स्थानीय पुलिस समेत १०० जवानों को मुस्तैद किया गया है। पिछले ६० घंटों से हाई वोल्टेज ड्रामा जारी है, अभ्यर्थियों को पुलिस अधिकारी मनाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अभ्यर्थी मानने का तैयार नहीं है। शुक्रवार को भी अभ्यर्थियों ने अपनी मांग को जायज बताते हुए पानी टंकी से नीचे उतरने के लिए इनकार कर दिया। बेसिक शिक्षा के निशातगंज शिविर कार्यालय के पीछे कर्मचारी कालोनी में बनी पानी टंकी पर चढ़े अभ्यर्थी रात्रि भी टंकी पर ही बिता रहा है। अभ्यर्थियों का कहना है कि जब तक सरकार हमारी मांग को नहीं मान लेती है, तब तक हम टंकी से नीचे नहीं उतरेंगे, अगर पुलिस जबरदस्ती का प्रयास करती है तो हम नीचे कूद जायेंगे। अभ्यर्थियों ने मांग करते हुए कहा कि न्यायालय ने १ लाख ३७ हजार पदों को दो भर्ती प्रक्रिया के तहत भरने का आदेश दिया था, ऐसे में खाली पड़े सभी पदों को भरा जाना चाहिए। इसके साथ ही ६६ हजार भर्ती के तहत २२ हजार पदों को भी शामिल किया जाना चाहिए। इनमें २२ हजार खाली पदों के अलावा भी तमाम पद ऐसे हैं जिन पर सरकार भर्ती कर सकती है। इसके अलावा बहुत से बीएड अभ्यर्थी के पास यह अंतिम मौका था, क्योंकि उम्र के कारण बीएड के लिए २०११ के बाद कोई भर्ती प्राइमरी में नहीं आई। काफी संख्या में अभ्यर्थी पानी की टंकी के नीचे भी प्रदर्शन कर रहे हैं, अभ्यर्थियों का कहना है कि सरकार हमें इस तरह से कैसे अनदेखा कर रही है। अभ्यर्थियों ने कहा कि बहुत से हम लोग पिछले १५ वर्ष से संघर्ष कर रहे हैं बावजूद उसके सरकार अपनी जिद्द पर अड़ी है। अभ्यर्थियों ने कहा सरकार को हमारी मजबूरी समझते हुए नियुक्ति पत्र देना चाहिए। बेसिक शिक्षा निदेशालय के शिविर कार्यालय स्थित पानी टंकी पर बैठे अभ्यर्थियों से मुलाकात करने के लिए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू भी शुक्रवार को पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अभ्यर्थियों का हालचाल जाना और युवाओं से मिलकर उनकी लड़ाई को लड़ने का आश्वासन दिया।

उत्तर प्रदेश में एक्टिव कोविड केस ४६९, नौ जिले कोरोना मुक्त

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पिछले २४ घंटो के दौरान कोविड–१९ के ३३ नये मरीज मिले है जबकि ४४ मरीज डिस्चार्ज किये गये है। राज्य में वैश्विक महामारी के मरीजों की संख्या फिलहाल ४६९ है। राज्य के अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने शुक्रवार को बताया कि अलीगढ़, अमेठी, चित्रकूट, फिरोजाबाद, हाथरस, पीलीभीत, सहारनपुर, शामली और सोनभद्र में कोविड का एक भी मरीज शेष नहीं है।

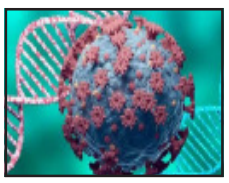

यह जिले आज कोविड संक्रमण से मुक्त हैं। पिछले २४ घंटे में हुई टेस्टिंग में ५४ जिलों में संक्रमण का एक भी नया केस नहीं पाया गया, जबकि मात्र २१ जिलो में इकाई अंक में मरीज पाए गए। वर्तमान में प्रदेश में एक्टिव कोविड केस की संख्या ४६९ है। उन्होने बताया कि अब तक ०६ करोड़ ८६ लाख २४ हजार ४६० कोविड सैम्पल की जांच की जा चुकी है। पिछले २४ घंटे में ०२ लाख ३८ हजार १२३ कोविड सैम्पल की जांच की गई और ३३ नए मरीजों की पुष्टि हुई। इसी अवधि में ४४ मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए। अब तक १६ लाख ८५ हजार ६२५ प्रदेशवासी कोरोना संक्रमण से मुक्त होकर स्वस्थ हो चुके हैं। प्रदेश में कोरोना की रिकवरी दर ९८.६ प्रतिशत है। गुरूवार को दैनिक पॅजिटिविटी दर ०.०१ फीसदी रही। नवनीत सहगल ने बताया कि उत्तर प्रदेश में अब तक ०५ करोड़ ६३ लाख ४१ हजार से अधिक कोविड वैक्सीन लगाए जा चुके हैं। विगत दिवस ०८ लाख ०७ हजार २५१ लोगों को टीका–कवर मिला। चार करोड़ ७५ लाख १८ हजार से अधिक लोगों ने कम से कम कोविड की एक खुराक ले ली है। ८८ लाख २२ हजार से अधिक लोगों ने टीके की दोनों डोज प्राप्त कर ली है।

अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार बोला हमला, लगाया यह बड़ा आरोप

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बयान जारी कहा है कि भाजपा सरकार की रोजगार देने की कोई मंशा नहीं है। मुख्यमंत्री का चार लाख नौकरियों का दावा पूरी तरह झूठा और भ्रामक है। भाजपा सरकार में युवाओं की दुर्दशा हो रही है। भाजपा राज में युवक–युवतियों की आवाज सुनने वाला कोई नहीं है। हताश युवा अब अपनी समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान दिलाने के लिए किसी भी हद तक जोखिम उठाने के लिए मजबूर है। परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में ६६ हजार सहायक भर्ती प्रक्रिया में २२ हजार रिक्तियों को जोड़े जाने की मांग लेकर प्रदेश की राजधानी में पिछले ५० दिनों से अभ्यर्थी आंदोलनरत है लेकिन सरकार उनसे कोई संवाद ही नहीं कर रही बल्कि एनसीईआरटी कार्यालय में रोजगार के लिए संघर्षरत लड़कियों का दमन किया जा रहा है। जनमत द्वारा निर्वाचित सरकार का यह चरित्र शर्मनाक है। अखिलेश यादव ने दोहराया कि भाजपा को अपना संकल्प पत्र फिर से पढ़ना चाहिए। २०१७ के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने युवाओं से ७० लाख रोजगार का वादा किया था। इसके साथ ही छात्रों को मुफ्त लैपटप और मुफ्त इंटरनेट का झांसा दिया गया। प्रदेश में साढ़े चार साल से

सत्ता पर काबिज भाजपा सरकार को अपने झूठे वादों के लिए युवाओं से माफी मांगनी चाहिए। नई पीढ़ी का भविष्य खराब करने की जिम्मेदार मौजूदा प्रदेश सरकार ही है। जिसने न तो विश्वविद्यालयों में अकादमिक वातावरण को सुधारा और न ही बेरोजगारी की समस्या दूर करने की दिशा में कोई ठोस प्रयास किया। भाजपा की जुमलेबाजी को देश का युवा वर्ग बखूबी समझ चुका है। नौकरियों के लंबित परिणाम, परीक्षा के पहले पेपर आउट होना, वैकेंसियों में व्याप्त भ्रष्टाचार से नई पीढ़ी निराश हो रही है। २०२२ में युवा ही बदलाव के वाहक होंगे।

सम्पादकीय

डेल्टा वैरिएंट को लेकर बढ़ती चिंता

कोरोना जैसी वैश्विक महामारी में स्वार्थी रुख खुद अपने को नुकसान पहुंचाने वाला है। ये बात पिछले डेढ़ साल में बार–बार कही गई है। कहा गया है कि अगर सुरक्षित होंगे तो सभी लोग। वरना, सभी पर खतरा मंडराता रहेगा। ये बात इसलिए दोहरानी पड़ रही है, क्योंकि ऐसे संकेत हैं कि कोरोना वायरस के डेल्टा वैरिएंट को लेकर बढ़ती चिंता के बीच धनी देश कोरोना वैक्सीन की सप्लाई के मामले में और कंजूस हो गए हैं। अभी जहां दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में टीकाकरण की दर बहुत नीचे है, वहीं अमेरिका और यूरोप में बूस्टर डोज लगाने की मुहिम छेड़ दी गई है। उसके अलावा देशों में सबका टीकाकरण करने की कोशिशें तेज कर दी गई हैं। सबका टीकाकरण उचित है, लेकिन बूस्टर डोज का सवाल समस्याग्रस्त है। इसलिए कि इससे कितना लाभ होगा, यह अभी वैज्ञानिक रूप से सिद्ध नहीं हुआ है। इसीलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन कम से कम सितंबर तक बूस्टर डोज पर रोक लगाने की अपील की है। उसने कहा है कि जब दुनिया के हर देश में कुल आबादी के दस फीसदी हिस्से का टीकाकरण नहीं हो जाता, तब तक बूस्टर डोज ना लगाए जाएं। इस संगठन के आंकड़े ये बताते हैं कि धनी देशों में प्रति १०० व्यक्तियों पर जहां लगभग १०० डोज लगाए जा चुके हैं, वहीं गरीब देशों में वैक्सीन की कमी के कारण प्रति १०० व्यक्तियों पर १.५ डोज ही लगाए गए हैं। मगर इन बातों का कोई असर धनी देशों पर नहीं हो रहा है। जर्मनी और फ्रांस ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की अपील की अनदेखी कर दी है। जबकि विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि दुनिया भर में संक्रमण रोकने के मकसद पर बूस्टर डोज को तरजीह देने का असर यह होगा कि सभी लोग खतरे में पड़ेंगे, जिनमें धनी देशों के नागरिक भी शामिल हैं। उन्होंने उचित ही ध्यान दिलाया है कि भारत में संक्रमण बेकाबू हुआ तो डेल्टा वैरिएंट की उत्पत्ति हुई। इसी तरह अगर संक्रमण का फैलाव जारी रहा, तो संभव है कि अधिक खतरनाक और अधिक संक्रामक वैरिएंट सामने आते रहेंगे और उनका फैलना जारी रहेगा। डेल्टा वैरिएंट ने अमेरिका, चीन और यूरोप की संक्रमण रोकने में हासिल हुई सफलताओं को खतरे में डाल दिया है। यानी जब उससे कोई सुरक्षित नहीं है। मगर ये साफ बात उन्हें समझ में नहीं आ रही है, तो इसकी वजह उनके आंखों पर पड़ी स्वार्थ की पट्टी ही है।

सीएम योगी ने बोट पर बैठकर लिया बाढ़ग्रस्त क्षेत्र का जायजा, बांटी राहत सामग्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी के बाढ़ग्रस्त क्षेत्र का दौरा गुरुवार को किया। वे एनडीआरएफ के साथ बोट में बैठ कर खुद बाढ़ की स्थिति देखी। उन्होंने बचाव व राहत कार्यों में लगे अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। साथ ही राहत केंद्र में रह रहे बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात कर कुशलक्षेमी ली व राहत सामग्री बांटी। योगी आदित्यनाथ शाम को राजघाट पुल पर पहुंचे। यहां से एनडीआरएफ के साथ बोट में सवार होकर उन्होंने गंगा में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने सरैया स्थित आलिया गार्डन में बनाए गए राहत केंद्र में रह रहे बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और भरोसा दिया कि चिंता की कोई बात नही, आपदा की इस घड़ी में सरकार उनके साथ खड़ी है। हर संभव उनकी मदद की जाएगी। उन्होंने मौके पर अधिकारियों से राहत कार्यों के बारे में जानकारी करते हुए निर्देशित किया कि बाढ़ पीड़ितों की मदद में कोई कोर कसर न छोड़ी जाए। इसके बाद मुख्यमंत्री जेपी मेहता इंटर कलेज राहत केंद्र पर पहुंचे और यहां पर रह रहे ६० से अधिक बाढ़ प्रभावित परिवारों के लोगों से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम पूछी और उन्हें मिल रहे राहत सुविधाओं की भी जानकारी ली। इस अवसर पर प्रमुख रूप से राज्यमंत्री रविंद्र जयसवाल, मेयर मृदुला जायसवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, विधायक सुरेंदर सिंह ओढ़े, भाजपा जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, बाढ़ प्रभावित इलाकों से वर्ड नंबर १८ नदेसर के पार्षद सुशील कुमार गुप्ता, ढेलवारिया के पार्षद गोपाल जायसवाल, कमिश्नर दीपक अग्रवाल, जिलाधिकारी कौशलराज शर्मा, पुलिस कमिश्नर ए सतीश गणेश इत्यादि मौजूद रहें।

सीएम योगी ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. हेमवती नंदन की प्रतिमा का किया अनावरण

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को योजना भवन के परिसर में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा की प्रतिमा का अनावरण किया। यह कार्यक्रम आजादी के अमृत महोत्सव एवं चौरी–चौरा शताब्दी महोत्सव आयोजन की श्रृंखला में आयोजित हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्व. बहुगुणा के व्यक्तित्व एवं तित्व पर आधारित एक चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने स्मृति ग्रंथ हेमवती नंदन बहुगुणा का विमोचन किया। इस मौके पर उनके जीवन पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत माता के महान सपूत एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा का व्यक्तित्व हिमालय की तरह विराट और बहुआयामी था। देश के विकास एवं लोकतंत्र की मजबूती के लिए वह हमेशा खड़े रहे। लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए उन्होंने अपना पद भी त्याग दिया। देश की आजादी के लिए उन्होंने उल्लेखनीय योगदान किया। वर्तमान प्रदेश सरकार उनकी स्मृतियों को संजोने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में स्व. बहुगुणा का योगदान अविस्मरणीय है। योजना भवन में विकास की योजनाओं के बारे में गंभीर चर्चा होती है। प्रदेश के विकास में उनके प्रयासों को ध्यान में रखते हुए स्व. बहुगुणा की प्रतिमा योजना भवन में स्थापित की गयी है। प्रतिमा अनावरण पर उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं अखिल भारतीय हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय बहुगुणा और सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने आभार जताया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ड. दिनेश शर्मा, विधायी एवं न्याय बृजेश पाठक, नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन, ग्राम्य विकास मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह (मोती सिंह), पर्यटन एवं संसदीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. नीलकण्ठ तिवारी, महापौर संयुक्ता भाटिया, विधान परिषद सदस्य स्वतंत्र देव सिंह, अपर मुख्य सचिव एमएसएमई एवं सूचना नवनीत सहगल, प्रमुख सचिव संसदीय मुकेश मेश्राम, सूचना निदेशक शिशिर सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

चुनाव आयोग की वेबसाइट हैक कर बनाया ३० हजार फर्जी वोटर कार्ड

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग के अफसरों के पासवर्ड हैक करके सहारनपुर के एक युवक ने करीब ३० हजार फर्जी वोटर कार्ड बना डाले। पुलिस ने वोटर कार्ड बनाने वाले विपुल सैनी को सहारनपुर में उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया है। जबकि मास्टर माइंड अरमान को भी दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरोह के और सदस्यों की तलाश चल रही है। इस भंडाफोड़ ने खूफिया एजेंसियों के कान भी खड़े कर दिए हैं और इसके अन्तरराष्ट्रीय लिंक भी एजेंसियां तलाश रही हैं। पुलिस के अनुसार करीब छह महीने से यह फर्जीवाड़ा चल रहा था। भारत निर्वाचन आयोग के अफसरों को जब संदेह हुआ तो उन्होंने अपने स्तर पर प्रारंभिक छानबीन की तो पता चला कि यह सारा खेल सहारनपुर से अपरेट हो रहा है। आयोग ने पुलिस के उच्चाधिकारियों को अवगत कराया। उसके बाद सहारनपुर की क्राइम ब्रांच ने गुरुवार को देर रात विपुल सैनी को नकुड़ कोतवाली के माछरहेड़ी स्थित उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया। उधर, दिल्ली पुलिस ने इस फर्जीवाड़े के मास्टरमाइंड मध्यप्रदेश निवासी अरमान को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। हालांकि पुलिस गिरफ्तारी की जानकारी देने के अलावा कुछ स्पष्ट नहीं बता रही है, लेकिन पुलिस ने विपुल सैनी के बैंक खाते में जमा करीब ४५ लाख रुपये पर रोक लगवा दी है। बताया जा रहा है कि फर्जी वोटर कार्ड बनाकर उसने करीब साठ लाख रुपये की कमाई की है। क्राइम ब्रांच प्रभारी अविनाश गौतम ने साइबर क्राइम थाने में आईटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कराई है। सहारनपुर के एसएसपी सहारनपुर एस चिनप्पा ने बताया कि आरोपी को उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया गया है। अभी पूछताछ चल रही है। आरोपी विपुल सैनी बैचलर अफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) है और कंप्यूटर व आईटी का अच्छा जानकार है। पूछताछ से पता चला है कि अरमान उसका दोस्त है और उसी के कहने पर उसने फर्जी वोटर कार्ड बनाने का काम शुरू किया था। अरमान ही उसे टारगेट देता था। ज्यादातर वोटर कार्ड राजस्थान और मध्यप्रदेश के बनाए गए हैं। विपुल को प्रति कार्ड २०० रुपये अरमान दिया करता था। इस गिरोह में कई राज्यों के युवा जुड़े बताए जा रहे हैं। यह फर्जीवाड़ा करने के पीछे केवल पैसा कमाना था, या कुछ राष्ट्रविरोधी मंशा भी है? इस सवाल का जवाब पुलिस और खूफिया एजेंसियों को अरमान से पूछताछ के बाद ही पता लगेगा। यही नहीं उससे गिरोह के अन्य सदस्यों की भी जानकारी मिलेगी। चुनाव आयोग की वेबसाइट में सेंधमारी से खूफिया एजेंसियां यों ही परेशान नहीं हैं। उन्हें आशंका है कि कहीं भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों व म्यांमार से आए रोहिंग्या भी तो इनके जरिए वोटर कार्ड न ले रहे हों। यूपी एटीएस ने करीब एक माह पहले ही गाजियाबाद और बरेली से पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। जो बांग्लादेश और म्यांमार से आए थे। उनके पास सभी जरूरी भारतीय दस्तावेज आधार, पैन, मतदाता पहचान पत्र आदि मिले थे। यह लोग और लोगों को भी लाकर बसा रहे थे। खुफिया एजेंसियां इस गिरोह से भी विपुल और अरमान के लिंक तलाश रही हैं। इसके अलावा आधार कार्ड, पैन और अन्य वेबसाइटों में सेंधमारी की छानबीन भी हो रही है। सहारनपुर से जुड़े सूत्रों का कहना है कि कुछ माह पूर्व भारत निर्वाचन आयोग के जिला कार्यालय के एक अधिकारी ने विपुल सैनी की शपथ पर आकर कुछ कागजात प्रिंट कराए थे। उस वक्त उक्त अधिकारी ने अपने पासवर्ड आदि भी विपुल को दिए थे। माना जा रहा है कि यहीं से यह सेंध लगी थी।

सपा के पूर्व विधायक ने कार की बोनट पर बैठकर लिया बाढ़ क्षेत्र का जायजा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में एक तरफ जहां लोग बाढ़ के कहर से परेशान हैं तो वहीं दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व विधायक मनोज सिंह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। दरसअल सपा विधायक मनोज सिंह ने अपनी गाड़ी की बोनट पर बैठकर बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का जायजा लिया और लोगों में रहात सामग्री बांटी। सपा के पूर्व विधायक द्वारा कार की बोनट पर बैठकर बाढ़ का जायजा लेना वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जहां कुछ लोग इस पर कटाक्ष करते हुए एक स्टांट कह रहे है तो वहीं कुछ लोगों इनके इस कारनामें की तारीफ कर रहे हैं बता दें कि वायरल वीडियो में पूर्व विधायक बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में अपनी स्कर्पियो एसयूवी के बोनट पर बैठकर बाढ़ का जायजा लेते दिख रहे हैं। यह नहीं सपा के पूर्व विधायक का एक और वीडियो तेजी से इंटरनेट पर वायरल हो रहा है जिसमें वे कार की बोनट पर चढ़ कर राहत सामग्री लेकर पहुंचे और खुद ट्रक पर चढ़कर लोगों में राहत सामग्री बांटते दिख रहे हैं।

जानकारी के लिए बता दें कि चंदौली जिले के सैयदराजा विधानसभा के पूर्व विधायक और सपा नेता मनोज सिंह का यह वीडियो जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है। वायरल वीडिया में साफ तौर पर देखा जा सकता है बाढ़ क्षेत्र का जायजा लेने के दौरान काफिले में सबसे आगे आगे पूर्व विधायक की गाड़ी चल रही है। वैसे इससे पहले भी पूर्व विधायक मनोज सिंह खूब सुर्खियां बटोर चुके हैं। बता दें कि इससे पहले भी अपने विधायकी कार्यकाल के दौरान भी मनोज सिंह अक्सर चर्चा में रहते थे। कभी किसानी करते हुए तो कभी ट्रैक्टर चलाकर खेतों की जुताई करते दिखते थे। इतना ही नहीं कभी कभी तो धान की रोपाई करते हुए भी वीडियो में दिखाई पड़ते थे।अपने आप को किसान का बेटा कहने का कोई मौका जरा भी नहीं छोड़ते। बता दें कि वर्ष २०१२ में सैयदराजा विधानसभा को पूर्वांचल की हट सीट का नाम मिला था। जिस पर पूरे प्रदेश की नजरें अटकी हुईं थीं, क्योंकि सैयदराजा विधानसभा से पूर्वांचल के बाहुबली बृजेश सिंह के खिलाफ सपा सीट पर मनोज सिंह डबलू चुनाव लड़ रहे थे। इस चुनाव में बृजेश सिंह को शिकस्त देने के बाद मनोज सिंह डबलू सुर्खियों में आए थे।

गोमतीनगर में तेज रफ्तार कार मारी टक्कर, हादसे में गाड़ियों के उड़े परखच्चे

लखनऊ। गोमतीनगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात भीषण हादसा हो गया। फन मल के सामने तेज रफ्तार कार ने दो वाहनों को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। हादसे में गंभीर रूप से एक महिला और पांच पुरुष घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शहर में देर रात काफी वाहन तेज रफ्तार में दौड़ाये जाते हैं। इसको रोकने के लिए पुलिस–प्रशासन संयुक्त रूप से अभियान चला चुके हैं। शुरू में कुछ दिन सख्ती रहती है उसके बाद हालत जस के तस हो जाते हैं। कुछ ऐसा ही शुक्रवार देर रात हुआ। गोमतीनगर स्थित फन मॉल के सामने होंडा सिटी ने दो वाहनों को जोरदार टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि डस्टर कार व एक अन्य कार में टक्कर मारी गई जिसमें एक कार सड़क किनारे

खड़ी हुई थी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए जबकि होड़ा सिटी सड़क पर पलट गई। पुलिस ने मौक पर पहुंचकर रास्ते को खाली करा दिया है। हादसे में एक महिला समेत पांच पुरुष घायल हैं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक चालक नशे में कार दौड़ा रहा था। हालांकि चालक मौके से फरार हो गया। घायलों की पहचान कराई जा रही है।

"स्वस्थ घर तक" की हुई शुरुआत, राज्यपाल ने दिखायी हरी झंडी

लखनऊ। "स्वस्थ गांव तक–स्वस्थ घर तक" मिशन के तहत "डाक्टर अन व्हील्स" कार्यक्रम शुरूआत कर दी गयी। इस मौके पर सुपर–स्पेशियलिटी सेक्टर में भारत के अग्रणी स्टार्ट–अप डाक्टरों की

पहल पर स्वस्थ घर तक के बेड़े में शामिल ११ बसों को राजभवन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि डाक्टको की "स्वस्थ घर तक" जैसी नेक पहल को झंडी दिखाकर प्रदेश की जनता को चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराना मेरे लिये गौरव की बात है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि ये बसें थर्मल स्कैनर, अक्सीमीटर, ईसीजी मशीन सहित अन्य जरूरी उपकरणों से सुसज्जित हैं, इससे जन सामान्य को आसानी से जरूरी चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि हम देश की आजादी का ७५वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं। इस अवसर पर दूर–दराज के ग्रामीण क्षेत्रों, कस्बों तथा शहरों को गुणवत्तायुक्त सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। इस मौके पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी, अपर मुख्य सचिव राज्यपाल महेश कुमार गुप्ता, डाक्टको के सह संस्थापक कर्नल हेम राज परमार, डॉ नीलम मोहन, प्रवीर अग्रवाल, डॉ एपी माहेश्वरी सहित संस्था के अन्य प्रतिनिधि मौजूद थे। इस मिशन के तहत पिछड़े जिले जहां चिकित्सीय सेवाओं में दिक्कत है तो वहां आसानी से चिकित्सा मुहैया हो सकेगी। कोरोना संक्रमण को देखते हुए चिकित्सा बसों के माध्यम से लोगों को आसनी से घर भीतर तक इलाज मिल सकेगा। डाक्टको के संस्थापक निमिथ अग्रवाल ने बताया कि "स्वस्थ घर तक" का बेड़ा अब तक २ लाख ३१ हजार से अधिक स्क्रीनिंग और परीक्षण करने तथा ५० हजार से अधिक लोगों का उपचार करने के लिये आज से आगरा, अलीगढ़, मेरठ, मथुरा और वाराणसी में लगभग २.७ मिलियन आबादी को कवर करेगा। उन्होंने बताया कि "स्वस्थ घर तक" की इस पहल से हम कोविड के शुरुआती लक्ष्य मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग तथा कैंसर जैसी अन्य बीमारियों वाले लोगों को बुनियादी दवाएं एवं उपचार मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बस में ३ सदस्यीय मेडिकल स्टाफ तथा एक डक्टर चिकित्सीय परामर्श हेतु उपलब्ध रहेंगे।

औसत से कम बारिश के बाद भी इन जिलों में आई बाढ़, जानें क्यों?

लखनऊ। हर साल की तरह इस साल भी यूपी में २४ जिले बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। लेकिन हैरान करने वाली बात ये है कि जिन जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई है, वहां भी लोगों के घर बाढ़ में डूब गए हैं। यूपी के बाढ़ से पीड़ित २३ जिलों में से ११ जिले ऐसे ही हैं। यहां बारिश तो भरपूर नहीं हुई लेकिन, बाढ़ आ गयी है। फतेहपुर, गोण्डा, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, गोरखपुर, बहराइच, गाजीपुर, चंदौली, आगरा, चित्रकूट, फर्रूखाबाद, कानपुर देहात, भदोही, कौशाम्बी, इटावा, वाराणसी, बलिया, हमीरपुर, बांदा, जालौन, प्रयागराज और मिर्जापुर में बाढ़ आयी है जिसमें ५ लाख से ज्यादा की आबादी प्रभावित हुई है। इन जगहों की हालत देखकर ऐसा लगता है मानों जमकर बरसात हुई हो, लेकिन हकीकत कुछ उल्टी है । इनमें से फतेहपुर, शाहजहांपुर, सीतापुर, गाजीपुर, चंदौली, आगरा, फर्रूखाबाद, कानपुर देहात, कौशाम्बी, इटावा और जालौन में औसत से कम बारिश हुई है। चंदौली, फर्रूखाबाद और कानपुर देहात में तो औसत से ५०: ही बारिश हुई है फिर भी बाढ़ की स्थिती हो गई। आपको बतादें कि

इसकी मुख्य वजह है नदियों का उफान। ये जरूरी नहीं कि यूपी से होकर बहने वाली नदियों में उफान तभी आयेगा जब यहां भारी बारिश हो। पिछले एक हफ्ते में मध्य प्रदेश और राजस्थान में जमकर पानी गिरा और यही पानी गंगा और यमुना में बहकर यूपी में आ रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गाजीपुर में बाढ़ और राहत कार्यों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री जी ने ये भी कहा कि २४ जनपदों के ६२० गांवों में बाढ़ का असर है और राजस्थान, हरियाणा से अतिरिक्त जल छोड़ने से ये हालत हुई है।

इस तारीख से चलेगी गोरखपुर–एलटीटी वाया लखनऊ ट्रेन

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल रेल प्रशासन ने मुंबई आवागमन करने वाले यात्रियों की बेहतर सुविधा के लिए गोरखपुर एलटीटी वाया लखनऊ ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। रेलवे प्रशासन एक फेरे के लिए गोरखपुर से लोकमान्य तिलक टर्मिनस वाया लखनऊ ट्रेन चलाने जा रहा है। ट्रेन नंबर ०५४०१ गोरखपुर से १८ अगस्त को शाम ०७.०० बजे चलकर दूसरे दिन ऐशबाग रात १२.५० बजे पहुंचकर तीसरे दिन तड़के ०५.०० बजे लोक मान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर ०५४०२ लोकमान्य तिलक टर्मिनस से २० अगस्त को सुबह ०७.५० बजे चलकर दूसरे दिन सुबह ११.०५ बजे ऐशबाग और शाम ०४.१५ बजे गोरखपुर पहुंचेगी।

सीएम योगी ने नवनियुक्त शिक्षकों को प्रदान किया नियुक्ति पत्र, कहा– समाज के उत्थान में शिक्षक की

लखनऊ। मध्यमिक शिक्षा परिषद के कॉलेजों में नवनियुक्त शिक्षकों व प्रवक्ताओं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरूवार को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान २८४६ शिक्षकों व प्रवक्ताओं को नियुक्ति पत्र देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ ने उन्हें गुरू की भूमिका में संबोधित भी किया। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) पहली बार चयनित इन शिक्षकों और प्रवक्ताओं को नियुक्ति पत्र पत्र दिया गया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने खुद एक गुरू भूमिका में नए शिक्षकों को पाठ पढ़ाते नजर आये। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि समाज के उत्थान में शिक्षक की अहम भूमिका होती है, लेकिन शिक्षक भी जब विद्यार्थी भाव में रहेंगें तो वह योग्य शिक्षक बने रहेंगे, इसलिए शिक्षक को हमेशा सीखते रहने की कोशिश करते रहना चाहिए। गुरूवार को इस मौके पर कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री व माध्यमिक शिक्षा मंत्री दिनेश शर्मा, बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश चंद्र द्विवेदी, राज्यमंत्री गुलाब देवी, मुख्य सचिव आरके

तिवारी, अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा आराधना शुक्ला भी उपस्थित थीं। बिना किसी सिफारिश के हुई भर्ती मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार साल में प्रदेश में डेढ़ लाख शिक्षकों की भर्ती हुई है लेकिन एक भी सिफारिश में भर्ती नहीं हुई, भर्ती प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता अपनाई गयी ताकि पात्र अभ्यर्थियों को नौकरी मिल सके। उन्होंने नवनियुक्त शिक्षकों से कहा कि ईमानदारी सेंतित्व करेंगे तो छात्र की ंतज्ञता पाएंगे और विद्यार्थी का भविष्य अपनी लापरवाही से खराब करेंगे तो कोसे जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष २०१७ के पहले योग्यता होने के बावजूद अभ्यर्थियों को निराशा मिलती थी। तब पारदर्शी व्यवस्था नहीं थी। ईमानदारी का अभाव था। तब सभी प्रकार की चयन प्रक्रिया में बेईमानी और भ्रष्टाचार का घुन लग जाता था, नव जवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रखा था और अंततः व्यक्ति को हताश और निराश होकर चुपचाप बैठना पड़ता था, लेकिन वर्ष २०१७ के बाद भर्तियों में चयन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है। इन ५३ महीनों के दौरान सरकार ने अब साढ़े चार लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी विभिन्न विभागों में दी गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इन साढ़े चार वर्षों से प्रदेश साढ़े चार लाग नौजवानों को सरकारी नौकरियां दी गई हैं। ऐसा किसी भी सरकार के कार्यकाल में नहीं हुआ होगा। जब इस सरकार के पांच वर्ष के कार्यकाल पूरे हो रहे होंगे तब तक पांच लाख नौजवानों को सरकारी नौकरियां दे दी जाएंगी। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त शिक्षकों को सुझाव देते हुए कहा कि आप सभी शासन की योजनाओं की भी जानकारी रखें। आपको जानकारी होगी तो छात्र जानेंगे, तभी वह उनका लाभ ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा घ्के साथ साथ जागरूकता में भी शिक्षकों का अहम रोल होता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछली सरकारों पर भर्तियों में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि तब वंशवाद और जातिवाद चलता था, बहुत से ऐसे होंगे जो कई प्रतियोगी परीक्षाएं दे चुके होंगे। योग्य होते हुए भी तब भ्रष्टाचार की वजह से चयनित नहीं हो सके। अब स्थिति यह है कि प्रवेश पत्र से नियुक्ति पत्र लेने तक किसी को सिफारिश की जरूरत नहीं पड़ी होगी।

युवक ने नमकीन खिलाने के बहाने किशोर से किया कुकर्म, केस दर्ज

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के काकोरी थानाक्षेत्र में एक कुर्कम का मामला सामने आया है। यहां पर एक युवक ने नमकीन खिलाने के बहाने गांव के ही रहने वाले एक युवक के साथ कुर्कम कर दिया। पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर युवक को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्ररभारी निरीक्षक काकोरी ने बताया कि बुधवार देर रात थानाक्षेत्र के एक गांव में रहने वाले किशोर के साथ गांव के ही निवासी मनीष ने दालमोट खिलाने के बहाने कुकर्म किया। इसका विरोध करने पर आरोपी मनीष ने किशोर के साथ मारपीट की और मौके से फरार हो गया। पीड़ित के पिता का आरोप है कि बुधवार रात आठ बजे बेटे के साथ यह गलत काम हुआ, वह रात में ही मामले की शिकायत लेकर थाने पहुंचे लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। हालांकि पुलिस ने गुरुवार को इस मामले की एफआईआर दर्ज कर ली है। प्रभारी निरीक्षक काकोरी ब्रजेश कुमार सिंह ने बताया कि सुबह किशोर ने अपने गांव के ही रहने वाले एक युवक पर कुकर्म का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। किशोर की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया गया है। युवक को मेडिकल परीक्षण के लिए भी भेजा गया था। उसका परीक्षण हो गया है। अभी तक इस मामले की रिपोर्ट पुलिस को नहीं मिल सकी है। जैसे ही रिपोर्ट मिलेगी मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बालू अड्डा क्षेत्र में डायरिया का कहर जारी, मिले ४० नये मरीज

लखनऊ। बालू अड्डा में डायरिया का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को ४० नए मरीज में मिले, इसमें ८ गंभीर मरीजों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पिछले चार दिनों से पाइप लाइन से पानी की आपूर्ति रोक दी गई है। टैंकर से पानी की आपूर्ति की जा रही है। इसके बावजूद नए लोग बीमारी की जद में आ रहे हैं। अब भी बीमारी फैलने के कारणों का पता नहीं चल सका। दरअसल सोमवार से बालू अड्डा में डायरिया फैला है। मासूम समेत दो मरीजों की मौत हो चुकी है। अब तक २३६ लोग बीमारी की चपेट में आ चुके हैं। ४० से ज्यादा मरीज सिविल अस्पताल में भर्ती कराए जा चुके हैं। अब भी नए मरीजों के मिलने का सिलसिला जारी है। नए मरीजों के मिलने से स्वास्थ्य विभाग में खलबली मच गई है। अधिकारियों का कहना है कि पहले दिन से पाइप लाइन से पानी की आपूर्ति रोक दी गई है। टैंकर से पानी की आपूर्ति की जा रही है। स्थानीय लोगों को क्लोरीन की गोलियां बांटी जा रही हैं ताकि गोलियों से पानी को विसंक्रमित किया जा सके। वहीं ब्लीचिंग भी बांटी जा रही है। चौथे दिन भी मरीजों का मिलना चिंताजनक है। सीएमओ डॉ. मनोज अग्रवाल के मुताबिक मरीजों के यूरीन व स्टूल की जांच के लिए नमूने एकत्र कराए गए हैं। पानी की बैक्टीरियल जांच के लिए नमूने लिए गए हैं। इसमें किसी भी तरह की गंदगी की मिलावट का भी पता लगाया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद भी आगे की कार्रवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि डक्टरों की टीम २४ घंटे मरीजों की देखभाल कर रही हैं। एम्बुलेंस लगी हुई हैं ताकि भर्ती लायक मरीजों को सिविल अस्पताल में शिफ्ट कराया जा सके। लोगों को पानी उबालकर पीने की सलाह दी जा रही है। ओआरएस के घोल बांटे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मरीजों की संख्या में कमी आ रही है। एकाध दिन में स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में आने की उम्मीद है।

अवैध कच्ची शराब के साथ महिला को पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ। मोहनलालगंज क्षेत्र के अंतर्गत के एक महिला को अवैध कच्ची शराब के साथ किया गिरफ्तार महिला के कब्जे से पुलिस ने १० लीटर अवैध कच्ची शराब किया बरामद पुलिस द्वारा जानकारी के मुताबिक उप निरीक्षक कीर्ति सिंह मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत मौजूद थी तभी मुखबिर द्वारा सूचना मिली की हुलास खेड़ा में एक महिला अवैध कच्ची शराब लिए मौके पर मौजूद है सूचना मिलते ही पुलिस मुखबिर के बताए हुए स्थान पर जा पहुंची जहां पर एक संदिग्ध महिला दिखाई पड़ी जो पुलिस को देख कर वह भागने का प्रयास करने लगी शक होने पर पुलिस ने दौड़ाकर मौके पर ही दबोच लिया नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम कमला देवी पत्नी राजकुमार निवासी ग्राम हुलास खेड़ा थाना मोहनलालगंज जनपद लखनऊ बताया महिला के कब्जे से पुलिस ने १० लीटर अवैध कच्ची शराब किया बरामद पुलिस ने महिला के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया।

भीषण सड़के हादसे में व्यापारी की मौत, पत्नी व दो बेटियां गंभीर रूप से घायल

लखनऊ। राजधानी के लोहिया पथ पर आज एक तेज रफ्तार एसयूवी टायर फटने से भीषण दुर्घटना की शिकार हो गई। टायर फटने की वजह से कार करीब दो सौ मीटर तक घिसटती हुई चली गई। इस हादसे में कार चालक और पेशे से व्यापारी की मौत हो गई। हादसे में घायल व्यापारी की पत्नी और दो पुत्रियों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, हजरतगंज की ओर से बुधवार देर रात गणेशगंज मार्केट अमीनाबाद निवासी नितिन श्रीवास्तव अपनी पत्नी और दो पुत्रियों के साथ गोमतीनगर की ओर जा रहे थे। लोहिया पथ के पास पहुंचते ही स्कोर्पियो का एक टायर फट गया। चालक जबतक वाहन पर नियंत्रित करता तब तक वाहन तेज रफ्तार के कारण पलटते हुए सड़क किनारे लगी रेलिंग से जा टकराया। रेलिंग से टकराने के बाद भी कार करीब दो सौ मीटर तक घिसटती हुई चली गई। इस हादसे में गाड़ी का एक टायर भी निकल गया। लोहिया पथ पर हुए इस हादसे को देख राहगीरों का जमावड़ा लग गया। आमजनों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल महिला समेत दोनों बच्चियों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उनका इलाज किया जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक गौतमपल्ली रत्नेश कुमार सिंह ने बताया कि वाहन की रफ्तार तेज होने के कारण वाहन का टायर फट गया और वह हादसे का शिकार हो गया। हादसे में पूरा वाहन क्षतिग्रस्त हो गया है। इस हादसे में अमीनाबाद गणेशगंज निवासी व्यापारी और वाहन चला रहे नितिन श्रीवास्तव की मौत हो गई है। नितिन के शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं सिविल अस्पताल में भर्ती उनकी पत्नी व दोनों पुत्रियों की हालत खतरे से बाहर है।

माफिया मुख्तार व अतीक की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, ईडी अटैच करेगी संपत्ती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जब से योगी आदित्यनाथ की सरकार बनी है तब से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के बहुबली विधायक और यूपी की बंदा जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी और गुजरात की अहमदाबाद जेल में बंद माफिया डन अतीक अहमद की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक प्रवर्तन निदेशालय (म्क) इन दोनों अपराधियों की संपत्ति अटैच करने की तैयारी में है। मिली जानकारी के मुताबिक ईडी ने दोनों अपराधियों से जुड़े मामलों की जांच में तेजी ला दी है। ईडी की टीमें कई जिलों में इन माफियाओं की संपत्ति खंगाल रही हैं। जानकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश पुलिस की जांच से भी ईडी को कई अहम सुराग मिले हैं। जल्द ही इन

संपत्तियों को अटैच करने की कार्रवाई की जा सकती है। जानकारी के लिए बता दें कि योगी आदित्यनाथ सरकार ने अपराधियों और माफियाओं के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है। योगी सरकार द्वारा प्रदेश भर में माफियाओं के खिलाफ की गई कार्रवाई में जनवरी २०२० से अप्रैल २०२१ तक कुल ५५५८ मामले दर्ज किए गए, जिनमें २२,२५६ अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। यूपी सरकार द्वारा सूचीबद्ध २५ माफियाओं के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई के तहत ११ अरब, २८ करोड़, २३ लाख ६७ हजार ८४६ रुपये (११,२८,२३,६७८४६ रुपये) की चल–अचल संपत्ति जब्त की गई. इसमें अतीक अहमद गैंग की सबसे ज्यादा ३ अरब, २५ करोड़ की संपत्ति जब्त की गई है। वहीं, उसके बाद मुख्तार अंसारी गैंग की करीब २ अरब की संपत्ति जब्त की गई है।

थप्पड़ ही नहीं खूब चला रही लात–घूंसे, जमकर वायरल वीडियो

लखनऊ। कैब चालक की पिटाई करने वाली प्रियदर्शिनी को इंटरनेट मीडिया पर थप्पड़ गर्ल के नाम से संबोधित किया जा रहा है। प्रियदर्शिनी का वीडियो पूरे देश में वायरल हो चुका है। आपको बता दें कि लखनऊ में यह पहला मामला नहीं है जब किसी लड़की ने सरेराह किसी युवक की पिटाई की हो। इससे पहले भी ऐसे कई मामले प्रकाश में आए थे और उनका वीडियो भी वायरल हुआ था।नशे में धुत युवतियों ने माय बार हेडक्वार्टर के बाहर एक पहलवान की जमकर धुनाई की थी। वहां मौजूद लोगों ने इसका वीडियो बना लिया था। वीडियो में नशे में धुत तीन लड़कियां पहलवान जैसे दिखने वाले युवक की पिटाई करती देखी गईं। सभी नशे में धुत थे। दरअसल, युवक ने नशे में एक लड़की को धक्का दे दिया था। बस, फिर क्या था। लड़कियों ने युवक के बाल पकड़ कर इसे फर्श पर गिरा दिया। फिर जमकर पिटाई कर दी। विभूतिखंड पूलिस के वहां पहुँचने से पहले सभी फरार हो गए थे। इससे पहले भी समिट बिल्डिंग में बस्ती के रहने वाले गौरव सिंह पर कुछ लोगों ने हमला बोला था। यही नहीं, म्युनिक बार में पार्टी करने आई एक युवती का उसके साथियों से विवाद हो गया था। इसके बाद झड़प के दौरान युवती के कपड़े तक उतर गए थे। पास के अपार्टमेंट में मौजूद गार्ड ने युवती को तौलिया दिया था, जिसके बाद उसने अपने शरीर को ढंका था। पुलिस के आने के बाद युवती ने कपड़े पहने थे।कैब

चालक की पिटाई करने वाली युवती लगातार बयान बदल रही है। इंटरनेट मीडिया पर उसका नया बयान वायरल हो रहा है, जिसमें उसने चालक से समझौता करने की बात कही है। इसके पहले उसने हल्के हाथों से पीड़ित चालक सआदत की पिटाई की बात कही थी। यही नहीं उसने चालक पर टक्कर मारने का आरोप लगाया था। हालांकि सीसी फुटेज आने के बाद पीड़िता के आरोप निराधार पाए गए थे।

जेल में बंद युवक के पिता ने कहा-पुलिस की पिटाई से हुई थी मौत, वीडियो वायरल

लखनऊ। अलीगंज नवीन गल्ला मंडी के पास १६ जुलाई को जिस सुमित मिश्र की अगवा कर हत्या कर दी गई थी, उसकी मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। इस मामले में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। गिरफ्तार आरोपित आदर्श सिंह के पिता अरुण प्रकाश सिंह ने अलीगंज पुलिस पर उनके बेटे को फर्जी मामले में फंसाकर जेल भेजने का आरोप लगाया है। आरोप है कि पुलिस की पिटाई से सुमित की मौत हुई थी, लेकिन खुद को बचाने के लिए पुलिसकर्मियों ने उनके बेटे व उसके दोस्त को जेल भेज दिया। मामले की जांच डीसीपी उत्तरी को सौंपी गई है।आरोप है कि सुमित के दोस्त पंकज को भी पुलिसकर्मियों ने जमकर पीटा था, जो अस्पताल में भर्ती है। इंटरनेट मीडिया पर शुक्रवार को एक विडियो भी वायरल हो गया, जिसमें दो युवक सड़क पर गिरे

पड़े दिख रहे हैं। पास में एक अवैध तमंचा भी पड़ा है। वीडियो में एक युवक को पुलिसकर्मी डंडे से पिटाई करता दिख रहा है, जबकि दूसरे को एक सिपाही पैर से ठोकर मार रहा है। इंटरनेट मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद महकमे में चर्चा को बाजार गर्म है।पुलिस का कहना था कि सुमित मिश्रा को अगवा करने के बाद उसकी हत्या की गई थी, जिसे उसी के साले आयुष ने दोस्त आदर्श सिंह के साथ मिल कर अंजाम दिया था। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। आरोपितों की पिटाई में घायल सुमित का दोस्त पंकज का इलाज चल रहा है। एसीपी अलीगंज अखिलेश कुमार सिंह का कहना है कि इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो की जांच की जा रही है। सुमित के साथ मौजूद पंकज के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। हत्यारोपित गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

लखनऊ में ८वीं के छात्र ने छात्रा को भेजे थे आपत्तिजनक मैसेज

लखनऊ। कोरोना काल में बच्चों की आनलाइन पढ़ाई का दौर शुरू हुआ। अभिभावकों के साथ–साथ शिक्षकों के लिए भी यह नया अनुभव था। बच्चों को आनलाइन पढने के लिए किसी ने उन्हें मोबाइल फोन दिया तो किसी ने कंप्यूटर। नतीजा, बच्चे औसत से ज्यादा समय मोबाइल फोन पर बिताने लगे और जाने अनजाने में साइबर अपराध भी करने लगे। जानकीपुरम स्थित निजी स्कूल में आठवीं में पढ़ने वाला छात्र अपनी सहपाठी को फोन पर परेशान कर रहा था। स्कूल प्रबंधन की ओर से बनाए गए वाट्सएप ग्रुप में छात्र ने छात्रा के बारे में अश्लील टिप्पणी शुरू कर दी। खास बात ये है कि इसके लिए उसने तकनीक का सहारा लिया, ताकि उसे कोई पकड़ नहीं सके। छात्र एक एप्लिकेशन डाउनलोड कर अलग–अलग विदेशी नंबर से मैसेज भेजता था। परिवारजन ने मडियांव पुलिस से शिकायत की। साइबर सेल से की मदद से पुलिस छात्र के घर पहुंची। पता चला कि छात्र पीड़ित छात्रा के साथ ही पढ़ता है। इस साजिश में छात्र का बड़ा भाई भी शामिल था। पुलिस ने दोनों भाइयों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। इस तरह के कई मामले आनलाइन पढ़ाई के दौरान सामने आए हैं। लखनऊ विश्वविद्याल के वाट्सएप ग्रुप में भी अश्लील मैसेज व वीडियो भेजा गया था। इस प्रकरण में हसनगंज कोतवाली में एफआइआर भी दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद आरोपित को गिरफ्तार किया गया था।साइबर

सेल में शिकायतें बढ़ी हैं। स्कूल व कालेज प्रबंधन ने गोपनीय रूप से शिकायतें की हैं। स्कूल या कालेज का नाम खराब न हो, इसके लिए लिखित शिकायत नहीं की गई। इस मामले में कई छात्रों को स्कूल से निष्कासित भी किया गया है। 'बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना जरूरी है। उनकी छोटी–सी गलती साइबर क्राइम की ओर ले जा सकती है। मोबाइल अथवा कंप्यूटर में अनावश्यक एप्लिकेशन खतरनाक साबित हो सकते हैं। – विवेक रंजन राय, एसीपी साइबर क्राइम सेल

जुआरी चढ़े पुलिस के हत्थे

लखनऊ। आशियाना कोतवाली इलाके में शुक्रवार शाम स्थानीय पुलिस व डीसीपी पूर्वी सर्विलांस

टीम ने मुखबिर की सूचना पर हार जीत की बाजी लगा रहे छ जूआरीयो को गिरफ्तार किया हैं ५ जूआरीयो के पास से पुलिस को ताश के तीन नई गड्डी समेत लाखों रुपये नकदी व तीन चार पहिया दो पहिया वाहन व आठ स्मार्ट मोबाइल फोन बरामद हुआ हैं ८ पुलिस ने गिरफ्तार जूआरीयो पर जूआ अधिनियम के तहत कार्यवाही निरूद्ध करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया हैं कोतवाली प्रभारी आशियाना बी के मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि मुखबिर से मिली सूचना पर शुक्रवार शाम लगभग ६:३० बजे डीसीपी पूर्वी सर्विलांस टीम व स्थानीय पुलिस टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए छ जूआरीयो को गिरफ्तार किया गया है जिनके पास से दो लाख ८६ हजार रुपए नकद , एक वैगनआर कार नम्बर यूपी ३२ जी वाई ४६२७ दो मोटरसाइकिल व आठ मोबाइल फोन , जामा तलाशी में ४४३० रूपए समेत तीन ताश की नई गड्डी बरामद किया गया है। पुलिस के पूछताछ में जूआरीयो ने अपना परिचय मेराज अहमद पुत्र कबीर अहमद निवासी शेखपुरवा लाल नगर थाना काकोरी, मोहम्मद शकील पुत्र मो हनीफ निवासी आजाद नगर थाना कृष्णा नगर,दीन मोहम्मद पुत्र जान मोहम्मद निवासी आजाद नगर थाना ेष्णा नगर, आरिफ पुत्र इरशाद अली निवासी औरंगाबाद थाना आशियाना ,विनय गुप्ता पुत्र मदन गुप्ता निवासी बंगला बाजार थाना आशियाना व तौसीब पुत्र अवर खान निवासी औरंगाबाद खालसा थाना आशियाना के रूप में दिया हैं। गिरफ्तार जूआरीयो पर पुलिस ने धारा १३ सार्वजनिक जुआं अधिनियम के तहत कार्रवाई निरूद्ध कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

मानवता की मिसाल हैं बैंकाक के थेवन तिवारी

शक्ति प्रकाश श्रीवास्तव

समूची दुनिया में मानवता कहें या मानवीय संवेदना, इसका पाठ सही अर्थों में भारतीय मनीषियों ने ही दुनिया के सामने रखा है। स्वामी रामेंष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद से लगायत महात्मा गांधी तक अनेकानेक ऐसे नाम इसके उदाहरण है। इसी क्रम में यदि बैंकाक में रहने वाले भारतीय मूल के थेवन तिवारी का नाम लें तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। श्री तिवारी के कार्य–व्यवहार को नजदीक से देखें तो ऐसा लगता है कि इनका समूचा व्यक्तित्व ही मानवता को समर्पित है। इनके अंदर मानवीय संवेदना को अपने और अपने इर्द–गिर्द बनाए रखने का एक जुनून है। हर क्षण ये लोगों को इसकी सही परिभाषा बताने–समझाने–अपनाने को आतुर रहते हैं। इसके लिए वो किसी भी हद तक जाने को भी तैयार रहते हैं। इतिहास साक्षी है कि इंसान और इंसान से महान इंसान बनाने के जो मूल गुण माने गए है उनमें मनुष्य का अपने जन्मस्थान और अपने लोगों के प्रति आवश्यक निध ार्रित धर्म के प्रति जवाबदेह होना सर्वाधिक महत्वपूर्ण माना गया है।

नेपाल की सीमावर्ती इलाके में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के भावनीगढ़ गाँव के मूल निवासी श्री थेवन तिवारी के अंदर भी अपनी माटी और अपने लोगों के प्रति जो ललक दिखाई देता है वो उन्हे न केवल औरों से अलग करता है बल्कि मानवता के प्रतिमूर्ति के तौर पर स्थापित करता है। बैंकाक में रहने वाला भारतीय समाज खासकर उत्तर प्रदेश के लोगों के साथ उनका समर्पण और इनके प्रति इन लोगों का आदरभाव उन्हे आदरणीय से पूजनीय की श्रेणी में ला खड़ा करता है। बैंकाक में रहने वाले अधिकांश भारतीय इनके कार्य व्यवहार से स्वयं को ऋणी महसूस करते हैं। उनका मानना है कि साधु–संतों के भेष में तो बहुतेरे कर्मयोगी देखे गए है लेकिन सामान्य इंसान के रूप में थेवन जी जैसे विरले ही हैं। समूची दुनिया में तबाही मचाने वाले कोरोना वायरस ने पिछले वर्ष जब बैंकाक को अपने आगोश में लिया तो थेवन जी, जिस तरह से बिना किसी जाति–धर्म–क्षेत्र के आम लोगों की मदद के लिए आगे आए वो इंसानियत के लिए मिसाल है। लोगों को दवा दिलवाने, वैक्सीन लगवाने, भोजन करवाने, अस्पताल की सुविध ाा मुहैया कराने से लेकर मानसिक संबल देने तक में श्री थेवन ने लोगों की हर संभव मदद की। इनके इन्ही प्रयासों से न जाने कितनी जिंदगियाँ असमय काल के गाल में समाने से बच गईं और कितने ही घर उजड़ने से बच गए। दिन–रात उनके इस कार्य में थेवन जी के कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षण जिस तरह से उनकी धर्मपत्नी ने सृजन कर्ता स्त्री धर्म का पालन किया वो भी किसी मायने में इनसे कमतर नहीं है। मानव धर्म के साथ–साथ लोक कल्याणकारी आध्यात्म में भी श्री थेवन का पूरा यकीन है। पूर्व में थाईलैंड के बैंकक स्थित विष्णु मंदिर के नवीनीकरण में भी उनका बहुत बड़ा सहयोग रहा है। बैंकाक में कम समय में ही अपेक्षोंत अधिक लोकप्रिय हो चुके न्यूज पोर्टल इंडो–थाई न्यूज के संस्थापक और मैनेजिंग एडिटर पवन मिश्र का मानना है कि मैने अपनी अभी तक की जिंदगी में श्री थेवन जी जैसा शख्स नहीं देखा। इंसान के लिबास में वो भगवान सरीखे हैं। सच्चाई तो ये है कि ऐसी अद्भुत शख्सियत पर महज पवन जी जैसे एक इंसान को नहीं बल्कि समूची मानवता को फक्र है और होना भी चाहिये।

अद्भुत मंदिर : हवा में लटकता मंदिर

अमरेन्द्र सहाय अमर

भारत को अगर मंदिरों का देश कहें तो गलत नहीं होगाए क्योंकि यहां इतने मंदिर हैं कि आप गिनते. गिनते थक जाएंगेए लेकिन गिन नहीं पाएंगे। यहां ऐसे कई मंदिर हैंए जो अपनी भव्यता और अनोखी मान्यताओं के लिए जाने जाते हैंए ऐसा ही एक अनोखा मंदिर आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में भी है। इस मंदिर की सबसे खास और रहस्यमयी बात ये है कि इसका एक खंभा हवा में लटका हुआ हैए लेकिन इसका रहस्य आज तक कोई नहीं जान पाया है। इस मंदिर का नाम है लेपाक्षी मंदिरए जिसे 'हैंगिंग पिलर टेंपल' के नाम से भी जाना जाता है।

इस मंदिर में कुल ७० खंभे हैंए जिसमें से एक खंभे का जमीन से जुड़ाव नहीं हैए वो रहस्यमयी तरीके से हवा में लटका हुआ है। इसीलिये इसे हैंगिंग टेम्पल भी पुकारते हैं। लेपाक्षी मंदिर के अनोखे खंभे आकाश स्तंभ के नाम से भी जाने जाते हैं। इसमें एक खंभा जमीन से करीब आधा इंच ऊपर उठआ हुआ है। ऐसी मान्यता है कि खंभे के नीचे से कुछ निकालने से घर में सुख. समृद्धि आती हैए यही वजह है कि यहां आने वाले लोग खंभे के नीचे से कपड़ा निकालते हैं। कहा जाता है कि मंदिर का खंभा पहले जमीन से जुड़ा हुआ थाए लेकिन एक ब्रिटिश इंजीनियर ने यह जानने के लिए कि यह मंदिर पिलर पर कैसे टिका हुआ हुआ है। इसको हिला दियाए तब से ये खंभा हवा में ही झूल रहा है। इस मंदिर में इष्टदेव भगवान शिव के क्रूर रूप वीरभद्र हैं। वीरभद्र महाराज दक्ष के यज्ञ के बाद अस्तित्व में आए थेए इसके अलावा यहां भगवान शिव के अन्य रूप अर्धनारीश्वरए कंकाल मूर्ति। दक्षिणमूर्ति और त्रिपुरातकेश्वर भी मौजूद हैं। यहां विराजमान माता को भद्रकाली कहा जाता है। कुर्मासेलम की पहाडियों पर बना ये मंदिर कछुए की आकार में बना हैए कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण विरुपन्ना और विरन्ना नाम के दो भाइयों ने १६वीं सदी में कराया थाए जो विजयनगर के राजा के यहां काम करते थे। हालांकि पौराणिक मान्यता है कि इस मंदिर को ऋषि अगस्त्य ने बनवाया था। मंदिर के पास ही एक नंदी की प्रतिमा भी है। मान्यताओं के अनुसारए इस मंदिर का जिक्र रामायण में भी मिलता है और ये वही जगह हैए जहां जटायु रावण से युद्ध करने के बाद जख्मी होकर गिर गये थे और राम को रावण का पता बताया था। मंदिर में एक बड़ा सा पैर का निशान भी है। जिसे त्रेता युग का गवाह माना जाता है। कोई इसे भगवान राम के पैर का निशान तो कोई माता सीता के पैर का निशान मानते हैं।

यूं ही नहीं कोई विक्रम बत्रा बन जाता ..आपको रोता हुआ छोड़ कर जाएगी इस देशभक्त की फिल्म

बॉलीवुड के इतिहास में देशभक्ति पर कई फिल्में बनी है। लेकिन शेरशाह जैसी फिल्म अभी तक के इतिहास में ना तो बनी है और इस फिल्म को देखने के बाद यकीनन आपको ऐसा ही लगेगा कि ऐसी फिल्म दोबारा शायद ही बन पाएं। इसका एक कारण यह भी है कि बार –बार विक्रम बत्रा पैदा नहीं होता। और उस शख्सियत को इतनी करीब से देखने का मौका इस फिल्म में दर्शकों को दिया है। यूं तो कारगिल युद्ध की कहानी अनेकों बार सुनी गई है, अनेकों बार सुनाई गई है। लेकिन उसी कारगिल युद्ध के एक छोटे हिस्से को इतनी महान फिल्म में ढ़ाल देना ये वास्तव में एक कला है। विक्रम बत्रा की सादगी और उनके खुशनुमा मिजाज, प्रेम कहानी से लेकर कैप्टन विक्रम बत्रा बनने तक की कहानी को जिस अंदाज में पेश किया है यह फिल्म एक महान फिल्म होने के सारे आयामों को बहुत करीब से छूती है। विक्रम बत्रा की जिंदगी के एक–एक किस्से को मोती की तरह डायरेक्टर ने पिरोया है। और जो माला तैयार हुई है वो माला शहीद विक्रम बत्रा के बलिदान को समर्पित है। अब बात करते है फिल्म के कलाकारों की। हमेशा से अपने एक्टिंग करियर में अनदेखी के शिकार रहे सिद्धार्थ मल्होत्रा ने विक्रम बत्रा के जैसा किरदार निभाकर है। आपको ऐसा लगेगा कि विक्रम बत्रा आप ही के बीच मौजूद है। सिद्धार्थ मल्होत्रा ने इस किरदार को जीवंत तो बनाया ही है साथ ही साथ अपने एक्टिंग का भी लोहा मनवा दिया। कियारा आडवानी जिन्होनें फिल्म में डिंपल नाम का किरदार निभाया है। उनको अपने किरदार के लिए फुल मार्क्स दिए जा सकते है। और सबसे बड़ी बात यह है कि सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा के अलावा फिल्म में कोई भी बड़ी स्टारकास्ट नहीं है। लेकिन सभी कलाकारों ने अपना किरदार पूरी इमानदारी से निभाया है। बात करते है फिल्म के एक बड़े मजबूत पक्ष यानी फिल्म के डायरेक्शन की। डायरेक्टर साहब ने बाकी बलीवुड फिल्मों की तरह एक फौजी को सिर्फ यस सर नो सर करते नहीं दिखाया बल्कि उसकी जिंदादिली को दर्शकों के सामने पेश किया है। आपने पहले भी देशभक्ति की हिंदी फिल्में देखी होगी और हर फिल्म में कोई ना कोई एक गाना जरूर होता है जो पूरी तरह देशभक्ति से ओतप्रोत होता है। लेकिन इसमें ऐसा कोई गाना आपको नहीं सुनाई देगा जो पूरी तरह देशभक्ति हो। लेकिन फिर भी मजाल है कि आपके मन में पल भर के लिए भी फिल्म को देखते समय देशभक्ति के अलावा कोई और खयाल आया है। पूरी फिल्म में विक्रम बत्रा के प्रसिद्ध वन लाइनर ये दिल मांगे मोर..का बार –बार प्रयोग किया गया है। फिल्म समाप्त होते –होते अंत में कारगिल फतह के बाद जब यह लाइन विक्रम बत्रा के मुंह से सुनाई देती है तब दर्शक पूरी खुद को इससे जोड़ पाते है।

महिला स्वंयसेवी समूहों को १,६२५ करोड़ की राशि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को महिला स्वंयसेवी संस्थाओं के लिए १,६२५ करोड़ रुपए की राशि जारी की। इस मौके पर उन्होंने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए 'आत्मनिर्भर नारीशक्ति से संवाद' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री ने इस दौरान महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्यों से बात की और चार लाख महिला स्वंय सहायता समूहों के लिए १,६२५ करोड़ रुपए की राशि जारी की। उन्होंने यह भी कहा कि अब महिला स्वंस सहायता समूहों को १० की बजाय २० लाख का कर्ज बिना किसी गारंटी के मिलेगा। इस वर्चुअल कार्यक्रम में दीनदयाल अंत्योदय योजना– राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत प्रमोट की गई महिलाएं शामिल थीं। प्रधानमंत्री मोदी ने महिला उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार के कार्यकाल में खोले गए ४२ करोड़ में

से ५५ फीसदी जनधन खाते महिलाओं के हैं। मोदी ने कहा– अब एक अहम फैसला किया गया है। सेल्फ हेल्थ ग्रुप को १० लाख की जगह २० लाख रुपए का कर्ज बिना गारंटी के मिलेगा। पहले बैंक अपने बचत खाते को लोन से जोड़ने को कहते थे और अब इस शर्त को भी हटा लिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा– साथियों आजादी के ७५ वर्ष का ये समय नए लक्ष्य तय करने और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने का है। बहनों की शक्ति को नई ताकत से आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि ई–मार्केट प्लेस का फायदा उठाएं। सीधे प्रोडक्ट वहां सेल करें। बहनों–बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और टीकाकरण पर भी सरकार संवेदनशीलता से काम कर रही है। बेटियों–बहनों का आत्मविश्वास भी बढ़ रहा है। ये आत्मविश्वास हम खेल के मैदान से साइंस, टेक्नोलजी और युद्ध के मैदान तक देख रहे हैं।

सोनिया करेंगी विपक्षी नेताओं के साथ बैठक

नई दिल्ली। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी विपक्षी नेताओं के साथ एक वर्चुअल बैठक करेंगी। पिछले दिनों संसद के मनसून सत्र के दौरान राहुल गांधी ने कई बार विपक्षी नेताओं के साथ बैठक की थी और उसी दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी दिल्ली आकर कई विपक्षी नेताओं से मिली थीं। अब कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी २० अगस्त को विपक्षी नेताओं के साथ बैठक करेंगी। सोनिया की बुलाई इस वर्चुअल बैठक में कम से कम चार मुख्यमंत्रियों– ममता बनर्जी, उद्धव ठाकरे, एमके स्टालिन और हेमंत सोरेन के शामिल होने की संभावना है। इसके अलावा एनसीपी प्रमुख शरद पवार भी बैठक में शामिल होंगे। इसका मकसद यह दिखाना है कि विपक्ष की मजबूत एकता, जो संसद सत्र के दौरान दिखाई दी थी वह आगे भी कायम है। बताया जा रहा है कि इस वर्चुअल बैठक में अगले कुछ दिन में दिल्ली में लंच या डिनर पर विपक्षी नेताओं की मुलाकात की तारीख तय हो सकती है। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की जीत के बाद से ही ममता बनर्जी विपक्षी एकता बनाने

की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने पांच दिन का दिल्ली दौरा किया और कई विपक्षी नेताओं से मिलीं। उन्होंने सोनिया गांधी से भी मुलाकात की थी। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मनसून सत्र के दौरान १६ विपक्षी पार्टियों के नेताओं को ब्रेकफास्ट पर बुलाया था। बसपा और आम आदमी पार्टी को छोड़ कर बाकी सभी पार्टियों के नेता इसमें शामिल हुए थे।

कोरोना से फिर हाहाकार, दुनिया भर में मरने वालों का आंकड़ा औसतन 10 हजार से ऊपर

नई दिल्ली। पूरी दुनिया में एक बार फिर कोरोना वायरस की महामारी से हाहाकार मचा है। दुनिया में सर्वाधिक संक्रमित अमेरिका में एक दिन में डेढ़ लाख के करीब केस मिले हैं तो दुनिया में २४ घंटे में मिलने वाले केसेज की संख्या सात लाख से ऊपर पहुंच गई है। साथ ही दुनिया भर में संक्रमण से मरने वालों का आंकड़ा भी औसतन १० हजार से ऊपर पहुंच गया है। भारत में भी एक दिन की कमी के बाद संक्रमितों का आंकड़ा ४० हजार की संख्या को पार कर गया है। महाराष्ट्र और केरल दोनों राज्यों में संक्रमितों की संख्या बढ़ी है। बहरहाल, गुरुवार को खबर लिखे जाने तक देश में कुल ३५ हजार के करीब नए केसेज मिले थे, जबकि ४४० लोगों की मौत हुई थी। खबर लिखे जाने तक कई राज्यों के आंकड़े अपडेट नहीं हुए थे। उनके आंकड़े आने के बाद गुरुवार को लगातार दूसरे दिन देश में संक्रमितों की संख्या ४० हजार का आंकड़ा पार कर सकती है। इसके साथ ही एक्टिव केसेज में भी बढ़ोतरी की आशंका है। यह तीन लाख ८५

हजार तक पहुंच सकता है। सात दिन के बाद पहली बार बुधवार को एक्टिव केसेज में बढ़ोतरी हुई थी।देश में सर्वाधिक नए केस वाले राज्य केरल में गुरुवार को २१,४४५ नए केसेज मिले और १६० लोगों की मौत हुई। एक दिन पहले बुधवार को राज्य में साढ़े २३ हजार नए मरीज मिले थे। सर्वाधिक संक्रमित महाराष्ट्र में भी गुरुवार को केसेज बढ़ गए। बुधवार को मिले ५,५६० केसेज के मुकाबले गुरुवार को ६,३८८ नए केस मिले। राज्य में २०८ लोगों की मौत हुई। तमिलनाडु में गुरुवार को १,६४२ नए केस मिले और ३३ लोगों की मौत हुई। ठीक होने वाले मरीजों की संख्या १,८६२ रही। आंध्र प्रदेश में १,८५६ नए मामले मिले और १३ लोगों की मौत हुई। कर्नाटक में १,८५७ नए केस मिले और ३० लोगों की मौत हुई। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अगस्त के महीने में चौथी बार ऐसा हुआ है कि संक्रमण से किसी की मौत नहीं हुई है। राज्य में कुल ४६ नए मामले मिले और किसी की मौत नहीं हुई। राज्य में संक्रमण की दर ०.०७ फीसदी रही। उत्तर प्रदेश में गुरुवार को ४३ नए संक्रमित मिले और चार लोगों की मौत हुई। पूर्वोत्तर के राज्यों में मणिपुर में ६७७ नए केस मिले और नौ लोगों की मौत हुई।

ऑक्सीजन की कमी से मरे थे लोग!

नई दिल्ली। ऑक्सीजन की कमी से कोई मौत नहीं होने के केंद्र सरकार के विवादित दावे के बाद अब यह बात सामने आने लगी है कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर में राज्यों में अक्सीजन की कमी से लोगों की मौत हुई थी। आंध्र प्रदेश की सरकार ने माना है कि उसके यहां ऑक्सीजन की कमी

से कुछ मरीजों की मौत हुई थी। पंजाब सरकार ने भी कहा है कि कम से कम चार लोगों की मौत अक्सीजन की कमी से हुई थी। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने संसद में एक सवाल के जवाब में कहा था कि ऑक्सीजन की कमी से किसी की मौत नहीं हुई थी। इस जवाब पर विवाद होने के बाद केंद्र की ओर से राज्यों से कहा गया कि वे ऑक्सीजन की कमी से होने वाली मौतों का आंकड़ा दें। बताया जा रहा है कि कई राज्यों ने केंद्र को ब्योरा भेजा है। कई राज्यों ने अब भी आंकड़ा नहीं भेजा है, जिनमें दिल्ली सरकार भी शामिल है। ध्यान रहे दिल्ली के कम से कम तीन अस्पतालों– जयपुर गोल्डेन, गंगाराम और बत्रा अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी से मरीजों की मौत हुई थी। बहरहाल, आंध्र प्रदेश की सरकार ने बुधवार को केंद्र को बताया कि राज्य में कुछ कोरोना मरीजों की मौत ऑक्सीजन की कमी से हुई। राज्य सरकार ने कहा कि कुछ कोरोना संक्रमित वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे और इस दौरान ऑक्सीजन का दबाव कम होने के चलते उनकी जान गई। आंध्र प्रदेश पहला ऐसा राज्य है, जिसने इस बात को स्वीकार किया है कि इलाज के दौरान किसी कोरोना संक्रमित की मौत अक्सीजन की कमी के चलते हुई है। जानकार सूत्रों के मुताबिक आंध्र प्रदेश के अलावा पंजाब, ओड़िशा, अरुणाचल, असम, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर, झारखंड, हिमाचल आदि राज्यों ने सरकार को ब्योरा भेजा है। पंजाब ने भी कहा है कि ऐसा संदेह है कि चार कोरोना मरीजों की मौत ऑक्सीजन की कमी के चलते हुई है। गौरतलब है कि इससे पहले केंद्र सरकार ने संसद में बताया था कि राज्यों ने ऑक्सीजन की कमी से मौत का कोई आंकड़ा नहीं भेजा है। सरकार ने कहा था कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मौतों के आंकड़े को लेकर विस्तृत गाइडलाइन जारी की गई है। किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश ने अक्सीजन की कमी से कोरोना संक्रमित की मौत की बात नहीं कही है।

सदन में सांसदों की पिटाई?

नई दिल्ली। विपक्षी पार्टियों ने आरोप लगाया है कि राज्यसभा में सरकार के खिलाफ आवाज उठा रहे सांसदों की पिटाई कराई गई है। इसके विरोध में विपक्ष के नेताओं ने गुरुवार को संसद भवन से विजय चौक तक विरोध मार्च भी निकाला। इससे पहले राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कक्ष में विपक्षी नेताओं की बैठक हुई। इस बैठक में शामिल हुए एनसीपी के शरद पवार ने कहा कि उन्होंने ५५ साल के अपने संसदीय अनुभव में ऐसा पहले कभी नहीं देखा कि ४० से ज्यादा मार्शल बुला कर सदन में तैनात कराया जाएं। पवार ने कहा कि अपने ५५ साल के अनुभव में उन्होंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा, जैसा राज्यसभा में हुआ। उन्होंने कहा कि उच्च सदन में ४० के करीब महिला और पुरुष सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया, जिसमें से कुछ बाहर से भी लाए गए थे। पवार ने कहा– यह बहुत तकलीफदेह है और लोकतंत्र पर हमला है। इस बैठक में राहुल गांधी, संजय राउत, मनोज झा आदि विपक्ष नेताओं भी शामिल हुए थे। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया है कि मंगलवार को महिला सांसदों से बदसलूकी की गई और दूसरे सांसदों के साथ भी धक्कामुक्की हुई। इसके विरोध में गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने १५ विपक्षी पार्टियों के साथ संसद से विजय चौक तक मार्च निकाला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने सदन में लोकतंत्र की हत्या की है। राहुल गांधी ने सरकार पर आरोप लगाया कि सदन में सांसदों पर मार्शलों से हमला करवाया गया। राहुल ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है, जब सदन में सांसदों की पिटाई हुई है। कांग्रेस सांसद छाया वर्मा और फुलोदेवी नेताम ने आरोप लगाया कि पुरुष सुरक्षाकर्मियों ने उनके साथ धक्कामुक्की की। डीएमके ने भी कहा कि उनकी महिला सांसदों के साथ भी धक्कामुक्की और मारपीट की गई। विपक्ष के आरोपों के बाद गुरुवार को संसद की सुरक्षा में तैनात अधिकारियों के बयान आए। उन्होंने उलटे विपक्ष पर आरोप लगाया और कहा कि सांसदों आक्रामक हो रहे थे। सरकार के मंत्रियों की ओर से लगाए जा रहे आरोपों को दोहराते हुए सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि सांसदों का बरताव बेहद आक्रामक था। सुरक्षा अधिकारी अक्षिता भट ने बताया कि कुछ पुरुष सांसद जो प्रदर्शन में शामिल थे, वे उनकी तरफ दौड़े और सुरक्षा घेरा तोड़ने की कोशिश की। उन्होंने कहा– जब मैंने इसका विरोध किया, तो सांसद छाया वर्मा और फूलोदेवी नेताम एक तरफ हट गईं और पुरुष सांसदों को वेल तक पहुंचने का का रास्ता दिया। अक्षिता ने कहा कि दोनों महिला सांसदों ने सुरक्षा घेरा तोड़ने में साथी पुरुष सांसदों की मदद की। उन्होंने जबरदस्ती मेरी बांहें पकड़ ली और मुझे घसीटा।

यूपी में अपडेट होगा माध्यमिक शिक्षा का सिलेबस

लखनऊ। प्रदेश में नई शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रमों को अपडेट किया जा रहा है। इसी क्रम में माध्यमिक शिक्षा का भी पाठ्यक्रम अपडेट किया जायेगा। इस संबंध में विभागीय स्तर पर तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं। पाठ्यक्रम में किताबी ज्ञान को कम कर डिजिटल और प्रैक्टिकल को बराबर अनुपात में शमिल किया जाएगा। राष्ट्रवाद और सामाजिक सरोकारों के साथ देश व समाज को प्रभावित करने वाली समसामयिक घटनाओं को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। माध्यमिक विद्यालयों के पाठ्यक्रम में यह व्यापक बदलाव शैक्षिक सत्र २०२२–२३ से किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि इसकी शुरूआत हो चुकी है। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ व उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने भी नई शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रमों में बदलाव की जानकारी दे चुके हैं। अधिकारियों के मुताबिक पाठ्यक्रम में मूल्य परक शिक्षा के साथ चरित्र निर्माण, राष्ट्रभक्ति और समाजसेवा से जुड़े कार्यों को शामिल किया जाएगा। समसामयिक घटनाओं के साथ आर्टिफिशिएल इंटेलिजेंस, जेंडर सेंसेटिविटी (लैंगिक संवेदनशीलता) और आपदा प्रबंधन विषय

को भी शामिल किया जाएगा। वहीं शैक्षिक सत्र २०२१–२२ से कक्षा ६ में विज्ञान विषय और २०२२–२३ से सभी विषयों में प्रयोग आधारित सीखने की क्षमता को विकसित किया जाएगा। वहीं कोरोना काल में ३० प्रतिशत जिस कोर्स की कटौती की गयी थी उसे भी इस सत्र में शामिल किया जायेगा। राजकीय विद्यालयों में कक्षा ६ से १२ तक में अंग्रेजी माध्यम का एक–एक सेक्शन चरणबद्ध तरीके से स्थापित किया जाएगा। इसके लिए शिक्षकों को भी अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। नए पाठ्यक्रम में दूसरे प्रदेशों की भारतीय भाषाएं पढ़ाने की भी व्यवस्था की जाएगी। विद्यार्थी अपनी पसंद से उस भाषा का अध्ययन कर सकेंगे। मंडल मुख्यालय के एक राजकीय विद्यालय में प्राचीन शास्त्रीय भाषाओं से संबंधित साहित्य और ऑनलाइन मॉड्यूल विकसित किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों और अर्धनगरीय स्कूलों में कृषि विज्ञान विषय को पढ़ाने पर बल दिया जाएगा ताकि बच्चे स्कूली शिक्षा से ही कृषि के बारे में अत्याधुनिक जानकारी प्राप्त कर सकें। माध्यमिक शिक्षा विभाग के स्कूलों में शैक्षिक सत्र २०२१–२२ से विज्ञान व गणित में नवाचार के विधिवत अध्ययन को लागू किया जाएगा। सत्र २०२२–२३ इसे सभी विषयों में लागू किया जाएगा।

कानपुर में युवक की पिटाई पर बोले अखिलेश- लोकतंत्र के लिए ऐसी घटनाएं शर्मनाक

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कानपुर के बर्रा आठ में भाजपा के उकसावे पर निर्दोष युवक की सरेआम पिटाई की घटना की निंदा किया है। अखिलेश यादव ने कहा कि लोकतंत्र के लिए ऐसी घटनाएं शर्मनाक है। भाजपा सरकार ने यूपी में अराजकता फैला दी है। प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि आरएसएस की विचारधारा के कारण जब से केंद्र और राज्य में भाजपा सरकार आयी है। वंचित समाज के उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ गयी है। जाति और धर्म के आधार पर लोगों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। यूपी सरकार का एजेंडा ही विभाजनकारी है। देश के संविधान की मूल भावना समानता की पोषक है। सपा लोकतांत्रिक मूल्यों की पक्षधर है। अन्याय और शोषण के खिलाफ सपा ने हमेशा लड़ाई लड़ी है। सामाजिक सद्भाव बढ़ाना ही सपा का लक्ष्य है लेकिन भाजपा देश में नफरत और घृणा फैलाने में लगी है। उन्होंने कहा कि जनमत द्वारा निर्वाचित सरकार की जिम्मेदारी है कि जनता का भरोसा सरकार में बना रहे। भाजपा इसके उलट काम करती है।

अवैध गांजा संग शातिर गिरफ्तार

लखनऊ। आलमबाग पुलिस ने गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर अवैध गांजा संग एक शातिर को गिरफतार किया है। पुलिस ने गिरफ्त में आए शातिर के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल भेज दिया है।आलमबाग कोतवाली प्रभारी अमरनाथ विश्वकर्मा ने बताया कि गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र स्थित मवाइया रेलवे क्रासिंग गेट नम्बर दो के पास से एक युवक को एक किलो पच्चास ग्राम अवैध गांजा संग गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए शातिर ने पुलिस पूछताछ में अपना परिचय गौरव श्रीवास्तव उर्फ सनी पुत्र पुत्र संतोष श्रीवास्तव निवासी राम बिहार कालोनी पारा रोड राजाजीपुरम थाना तालकटोरा हाल पता ए ६४ सेक्टर आई आशियाना के रूप में दिया है। पुलिस ने पकड़े गए शातिर के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल भेज दिया है।

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनकी मां को नोटिस पहुंची लखनऊ पुलिस

लखनऊ। चिनहट के बीबीडी चौकी प्रभारी अजय शुक्ला और उनकी टीम ने बुधवार को मुंबई स्थित अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के बंगले पर पहुंचकर उनके मैनेजर को नोटिस तामील कराई। चौकी प्रभारी विभूतिखंड थाने में दर्ज आयोसिस वेलनेस सेंटर फर्म की फ्रेंचआइजी देकर घटिया सामान सप्लाई कर १.३६ करोड़ की ठगी के मामले में विवेचना कर रहे है। इस कंपनी की निदेशक शिल्पा शेट्टी और उनकी मां सुनंदा शेट्टी हैं। कंपनी के खिलाफ बीते साल १६ जून २०२० को ज्योत्सना ने मुकदमा दर्ज हुआ था।डीसीपी पूर्वी संजीव सुमन ने बताया कि इस मामले में विवेचक ने शिल्पा शेट्टी की कंपनी के विनय भसीन, आशा, पूनम झा, अनामिका चतुर्वेदी समेत अन्य के बयान भी दर्ज किए। इस दौरान विवेचक और उनकी टीम आयोसिस वेलनेस कंपनी के निदेशक किरण बाबा के घर और कार्यालय पहुंची। पुलिस ने वहां

नोटिस चस्पा की।ओमेक्स हाइट्स निवासी ज्योत्सना चौहान ने १६ जून को आयोसिस कंपनी के निदेशक किरण बाबा के अलावा विनय भसीन, अनामिका चतुर्वेदी, इशरफिर, नवनीत कौर, पूनम झा और आशा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। ज्योत्सना के आरोप के अनुसार उन्होंने विभूतिखंड क्षेत्र स्थित रोहतास प्रेसिडेंशियल में आयोसिस वेलनेस सेंटर की फ्रेंचआइजी ली थी। दस्तावेज से संबधित सारी अहर्ताएं पूरी कर ली थी। कंपनी के खाते में १.६३ करोड़ रुपये भी दे दिया था। किरण बाबा ने कहा था कि आयोसिस वेलनेस कंपनी से अभिनेत्री शिल्पा शेड्ढट्टी और उनकी मां सुनंदा शेड्ढट्टी जुड़ी हैं। उदघाटन में वह दोनों भी आएंगी। पर कंपनी उदघाटन में शिल्पा शेड्ढट्टी और उनकी मां नहीं आयीं। इसके बाद कंपनी द्वारा जो सामान भेजा गया वह भी घटिया था। ज्योत्सना ने इस संबंध में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था।

घर में साधारण और बाहर जाकर असाधारण, कंगना रनौत के ब्रालेट फोटो से मचा बवाल

मुम्बई। बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत अक्सर चर्चा में बनी रहती है। कभी अपने बयानों की वजह से कभी अपने बेखौफ अंदाज की वजह से। लेकिन हाल ही में कुछ ऐसा देखने को मिला जिसको देखकर विश्वास करना संभव नहीं हो पा रहा। कंगना ने सोशल मीडिया पर कुछ ऐसी तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिनमें उनका लुक काफी हट नजर आ रहा है। जिसके चलते लोगों ने कंगना को ट्रोल करना शुरू कर दिया। कंगना रनौत की इस फोटो के पीछे सनसेट नजर आ रहा है। एक्ट्रेस किसी लेक के किनारे खड़ी होकर पोज दे रही हैं। इस फोटो में कंगना रनौत व्हाइट कलर की ब्रालेट और पैंट में नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने लुक को बन और गले में

गोल्डन चेन के साथ कंप्लीट किया है। फोटो में कंगना बेहद खूबसूरत लग रही हैं। फोटो शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में गालिब की शायरी लिखी है। एक्ट्रेस लिखती हैं– 'मोहब्बत में नहीं है फर्क जीने और मरने का, उसी को देखकर जीते हैं जिस काफिर पे दम निकले।' लंबे समय बाद कंगना रनौत का बोल्ड अवतार देख कर उनके फैन भी हैरान हैं। अपने इस सुपर बोल्ड अवतार को लेकर कंगना रनौत चर्चा में हैं। जहां कुछ को एक्ट्रेस का यह लुक पसंद आ रहा है तो कुछ यूजर्स ने कंगना के बोल्ड अंदाज पर नापसंदगी भी जाहिर की है। यूजर्स का कहना है कि वह अक्सर कपड़ों पर दूसरे स्टार्स को नसीहत देती रहती हैं और खुद ब्रालेट में पोज दे रही हैं। यही कहते हुए कुछ यूजर एक्ट्रेस को ट्रोल कर रहे हैं। यूजर एक्ट्रेस की इस फोटो पर तरह–तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा– 'आपसे यह उम्मीद नहीं थी कि कंगना इतने वाहियात कपड़े पहनें। वहीं एक अन्य ने लिखा– 'आप खुद दूसरों की पोस्ट पर टिप्पणी करती हैं, आपने सोचा नहीं इस पोस्ट को अपलोड करते वक्त।' वहीं एक और यूजर ने लिखा– 'जब आपने अपनी इमेज एक सभ्य महिला सनातन को मानने वाली के तौर पर बनाई है तो फिर ये सब क्या है? दो चेहरे किसी के भी खराब होते हैं।'

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक